

17/02/19

2018  
00267

पत्राली वेश डरो अखिरकत वारीया अनुपालित  
आवाज लावाई गरी। अखिरकत कहीय  
एके वारीया खेये उपर लिखत नही। पूर्व मे  
भी उपर लिखत नही होने से बुनवाई हेतु अवाप्त  
रिए जा चुके हैं। आज भी उपर लिखत नही।  
अतः प्रकारा अदम हाजरो अदम पैरकी से  
वारीय किया जात है। पत्राली कालशुमार  
होकर नगवा से काम है।

(श्याम सुन्दर बिश्नोई)  
सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी  
चित्तौड़गढ़ (राज.)

